राम जी किरपा करो न

राम तुझे जपता रहू मैं तेरी धुन में बैठा रहू हालात ऐसे अब तो करो न
राम जी किरपा करो न राम जी किरपा करो न

हम को पता तुम सब से बड़े तुम हो बड़े वेय्न्त
अच्छे बुरे का तुम ही तो फल देते हो तुरंत
मुझसे न न खफा रहो न हाथ मेरे सिर पे धरो न
राम जी किरपा करो न

दूर करो तुम दूर करो ना मोह माया दलदल
नही करू मैं कपट किसी से नही करू कोई शल
देख मैं हु बालक तेरा कष्ट मेरे तुम ही हरो न
राम जी किरपा करो न

महामंत्र का तेरे स्वामी जो करता उपयोग
सुख सम्पति घर में आती धन का बने संयोग
गम की धुप में तडप रहा साया सुख का अब तो करो न
राम जी किरपा करो न

माझी बन के तुम ही सब की नैया पार लगाते,
मुश्किल से मुस्किल कारज को तुम आसन बनाते
मेरे मन की गागर में तुम प्रेम का रस अब तो भरो न
राम जी किरपा करो न

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19384/title/ram-ji-kirpa-karo-na

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |